

भारतीय धारावाहिकों का गृहिणियों पर

प्रभाव (विशेष संदर्भ): अनुपमा सीरियल



सत्र : 2022-2023

**एम. ए चतुर्थ सेमेस्टर (जे. एम. सी) के चतुर्थ प्रश्न पत्र की
प्रतिपूर्ति हेतु लघु शोध प्रबंध**

मार्गदर्शक

डॉ. अनुपमा कुमारी

असिस्टेंट प्रोफेसर

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,

बिलासपुर(छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता

विद्या चन्द्रा

एम.ए. (जे.एम.सी) चतुर्थ सेमेस्टर

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग

अनुक्रमांक : 21008126

नामांकन: GGV/18/0291

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग

गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग)


पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग
Guru Ghasidas Vishwavidyalaya,
Bilaspur (C.G.)
18-02-2023

प्रमाण पत्र

ह प्रमाणित किया जाता है कि **विद्या चन्द्रा**, एम.ए.चतुर्थ सेमेस्टर की पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग) की छात्रा है। इन्होंने मेरे निर्देशन में "भारतीय धारावाहिकों का गृहिणियों पर प्रभाव (विशेष संदर्भ: अनुपमा सीरियल" लघु शोध बंध पूर्ण किया है।

विभागाध्यक्ष

डॉ. धीरज शुकला

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,

बिलासपुर कोनी (छ.ग)

निर्देशक

डॉ. अनुपमा कुमारी (असिस्टेंट प्रोफेसर)

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,

बिलासपुर कोनी (छ. ग)

अध्याय: 1

1.1 परिचय

पिछले कई सालों से धारावाहिक का काफ़ी वर्चस्व है जो की दिनों - दिन , सालों - साल और भी ज़्यादा बढ़ता ही जा रहा है। धारावाहिक को सोप ओपेरा के नाम से भी जाना जाता है।

सोप ओपेरा से तात्पर्य टेलीविज़न या रेडियो पर चल रहा एक ड्रामा सीरियल है, जिसमें कई पात्रों के जीवन और उनके भावनात्मक संबंधों की विशेषता है।

कहते हैं कि टीवी सीरियल या फिल्म समाज का आईना होते हैं लेकिन इसके साथ ही ये एक आभासी दुनिया भी होती है, जहां हर चीज तथ्यात्मक ना होकर मिथ्या होती है। शुरु से ही महिलाओं को केंद्र में रखकर कई तरह के धारावाहिक बनते आ रहे हैं।

शोधार्थी ने अपने लघु शोध प्रबंध में यह बताने की कोशिश की है, की भारतीय धारावाहिक किस तरह से गृहिणियों को प्रभावित कर रहा है। जिसे स्पष्ट करने के लिए विशेष संदर्भ में शोधार्थी ने अनुपमा सीरियल के द्वारा इस प्रभाव को बताया है।

अनुपमा सीरियल की कहानी यह है, की अनुपमा अपने परिवार की देखभाल करने के लिए अपनी महत्वाकांक्षाओं का त्याग करती है पर उसका परिवार कभी भी उसे, उसके त्याग को श्रेय नहीं देते है।